Printed Pages – 6+2=8

AI-1374

B. A. Private (Part-I)

Term End Examination, 2020-21

Paper : First

Hindi Literature

Time Allowed : Three hours

Maximum Marks : 75

Minimum Pass Marks : 26

नोट : *सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक उनके समक्ष अंकित हैं।*

इकाई-I

1. निम्नलिखित पंक्तियों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिये— 8×3=24

(क) जाति न पूंछो साधु कि, पूंछ लीजिये ज्ञान।
मोल करो तलवार को, पड़ी रहन दो म्यान॥
गुरू गोविन्द दोऊ खड़े, काके लांगु पांय।
बलिहारि गुरू आपनो, गोबिंद दियो बताय॥

अथवा

फागु करहि सब चांचर जोरी, मोहितन लाई दीन्हि जस होरी।
जो पैं पीऊं जरत अस पावा, जरत मरत मोहि रोष न आवा॥
राति दिवस बस यह जिऊ, मोरे, लगौं, निहोर कंत अब तोरे॥

(ख) 'ऊद्यौ इतनी कहियो जाई।
हम आवैंगे दोउ भैया, मैया जानि अकुलाई
याकौ बिलग बहुत हम मान्यौ, जो कहि पठ्यौधाई'
वह गुन हमकौ कहा बिसरिहैं, बड़े किये पय प्याइ।
अरु जब मिल्यो नंद बाबा सौ, तब कहियो समुझाई॥
तौ लौ दुखी होन नहि पावै, धौरी धूमिरी गाई।
जद्यपि इंहा अनेक भांति सुख, तदपि रहगै नहि जाई॥
सूरदास देखौं ब्रजवासिनि, तबहि हियौं सिराई।

अथवा

एक भरोसे एक बल, एक आस विश्वास।
एक राम घनश्याम हित, चातक तुलसीदास॥

रामनाम मणि द्वीप, धरि, जीह देहरी द्वार।
तुलसी भीतर बाहिरों, ज्यों चाहत उजियार॥

(ग) प्रेम सदा अति ऊँचो, लहै सु कहै इति भांति की बात छकी।
सुनिकै सबके मन लालच दौरे, पै बोर लखे सब बुद्धि चकी॥
जग की कविताई के धोखें रहैं, हां प्रवीनन की मति जाति जकी।
समुझै कवित्त धन आनंद की हीय-आंखिन नेह की पीर लकी॥

अथवा

झलकै अति सुन्दर आनन गौर, छके दृगराजत काननि छ्वै।
हसे बोलनि में छबि-फूलत की, बरषा उर ऊपर जाति है॥
लअ लोल कपोल करै, कल कंठ बनी जल जावलि द्वै।
अंग अंग तरंग उठै दुति की, परि है मनौ रूप अवै घर च्वै॥

इकाई-II

2. कबीर एक समाज सुधारक विद्रोही संत कवि थे- विवेचना कीजिये। 8

अथवा

जायसी की काव्य कला को विस्तार से समझाइये।

इकाई-III

3. कृष्ण भक्ति काव्य धारा में सूर का स्थान निर्धारण करते हुए उनकी भक्ति भावना पर प्रकाश डालिये। 8

अथवा

तुलसी की भक्ति भावना पर संक्षेप में विचार कीजिये।

इकाई-IV

4. घनानंद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय दीजिये। 8

अथवा

राम भक्ति एवं कृष्ण भक्ति शाखा के दो कवियों को विस्तार से समझाइये।

इकाई-V

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन प्रश्नों** के संक्षिप्त में उत्तर दीजिये— 12

(क) रसखान का संक्षिप्त जीवन परिचय दीजिये।

(ख) रहीम के काव्यों में सौन्दर्य का वर्णन कीजिये।

(ग) विद्यापति की भाषागत विशेषताएँ लिखिये।

(घ) रहीम की नीतियाँ लिखिये।

इकाई-VI

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **पन्द्रह** वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिये— 15

(क) रसखान की दो रचनाएँ लिखिये।

(ख) जायसी के गुरू कौन थे।

(ग) घनानंद किस बादशाह के दरबार में रहते थे।

(घ) घनानंद की दो रचना लिखिये।

(ङ) सूर सम्राट कहे जाते है।

(च) कबीर प्रतिनिधी कवि कहे जाते है।

(छ) घनानंद की प्रेयसी का नाम लिखिये।

(ज) बिहारी किस काल के कवि थे।

(झ) कवितावली की प्रयुक्त शैली है।

(ञ) बिहारी के आश्रयदाता कहां के राजा थे।

(ट) घनानंद किस जाति के थे।

(ठ) विद्यापति का जन्म कब हुआ।

(ड) तुलसीदास जी भव कैसे तैरेंगे।

(ढ़) रामानंद किस कवि के गुरू थे।

(ण) भ्रमर गीत किसकी रचना है।

(त) सूरदास की भाषा है।

(थ) हिन्दी साहित्य के लोक नायक कवि है।